भाकृअनुप.-वि.प.कृ.अनु.सं. प्रसार प्रपत्र (88/2016)

कृषि समृद्धि कार्यक्रम

भाकृअनुप
ICAR

भाकृअनुप- विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान

(आई.एस.ओ. 9001:2008 प्रमाणित संस्थान)

अल्मोड़ा - 263601 (उत्तराखण्ड)

2016

निःशुल्क कृषक हैल्प लाइन सेवा 1800 180 2311

सम्पर्क समय : प्रत्येक कार्य दिवस (प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक)

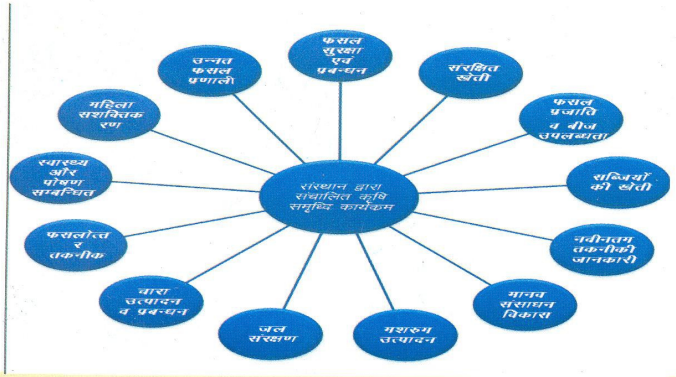

सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का मॉडल

अन्य उपयोगी सम्पर्क सूत्र

1. पत्राचार माध्यमः– कृषि समृद्धि कार्यक्रम, द्वारा केन्द्र निदेशक, अकाशवाणी अल्मोड़ा। पिन – 263601
2. ई–मेलः– vpkas@nic.in
3. वेबसाईटः– http//vpkas.nic.in
4. निःशुल्क दूरभाष :– 1800 180 2311

आलेख

प्रतिभा जोशी, मानिक लाल राय, रेनू जेठी, रेनू सनवाल, निर्मल चंद्रा एवं जे.के. बिष्ट

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें

निदेशक

भाकृअनुप–विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान

अल्मोड़ा– 263 601 (उत्तराखंड)

दूरभाषः (05962) 230060, 230208 फैक्सः (05962) 231539

सहयोग

पी. एम. ई. सैल

निदेशक, भाकृअनुप–विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसन्धान संस्थान, अल्मोड़ा–263601 (उत्तराखण्ड) द्वारा संस्थान के लिए प्रकाशित एवं मैसर्स अपना जनमत, 16 ए, सुभाष रोड, देहरादून (उत्तराखण्ड) दूरभाष : 0135–2653420, मो. : 9837209996 द्वारा मुद्रित।

निवेश हेतु बैंकों का योगदान, किसान केडिट कार्ड, स्वयं सहायता समूह गठन, तकनीकी हस्तांतरण आदि पर भी वार्ता गठित की गयी। इसके अलावा कृषक बन्धुओं की समस्या के निदान व कृषि सम्बन्धित अधिक जानकारी के लिए संस्थान द्वारा संचालित कृषक हेल्पलाइन सेवा दूरभाष संख्या – 18001802311 (निःशुल्क) पर प्रातः 10:00 से सायं 5:00 बजे तक सम्पर्क कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त पत्राचार के माध्यम से भी सम्पर्क किया जा सकते हैं।

सारणी : कृषि समृद्धि कार्यक्रम में कृषि सम्बन्धित विषयों पर प्रसारित जानकारी

क्रम संख्या	मुख्य विषय		प्रतिशत
1	बीज उपलब्धता, उत्पादन एवं रखरखाव		4.5
2	फसल सुरक्षा एवं प्रबंधन		18.0
3	फसल उत्पादन	उन्नत किस्में	13.0
		सब्जी उत्पादन	3.5
		चारा उत्पादन व प्रबंधन	3.5
		संरक्षित खेती	7.0
		जैविक खेती	2.5
		मशरुम उत्पादन	3.0
		फलदार वृक्ष उत्पादन व प्रबंधन	6.0
4	कृषि यंत्रिकरण		2.0
5	फसलोत्तर तकनीक व खाद्य प्रसंस्करण		8.0
6	खाद व उर्वरक		1.5
7	जल संरक्षण व प्रबंधन तकनीक		5.0
8	कृषि सूचना व प्रसार		10.5
9	पशुधन प्रबंधन		6.0
10	महिला सशक्तिकरण		3.0
11	अन्य (कृषि में निवेश हेतु बैंकों का योगदान, मत्स्य प्रबंधन, पर्वतीय मोटे अनाज, संतुलित आहार)		3.0

परिचय

कृषि क्षेत्र में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आई. सी. टी.) के सहयोग से कृषि एवं ग्रमीण विकास में वृद्धि होती है। ग्रामीण क्षेत्र में आई.सी.टी. का उपयोग मोबाइल फोन, रेडियो और टेलीवीजन के रुप में पारम्परिक मीडिया द्वारा किया जाता है। पर्वतीय कृषि प्रणाली की उत्पादकता एवं दक्षता बढाने में आई. सी. टी. महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करता है। पर्वतीय क्षेत्रों में किसान खेती अत्यन्त जोखिम भरी दशाओं एवं अनिश्चितताओं में करते हैं क्योकि यहाँ जमीन छोटी व बटी हुई, बेकार व उथली मिट्टी, अनियमित वर्षा, जंगली जानवरों द्वारा फसल को नुकसान, अपर्याप्त विपणन ढॉचा, अल्प निवेश, अपर्याप्त सिंचाई सुविधाऐं समय पर सही जानकारी मिलना तथा अपर्याप्त प्रसार तंत्र होने जैसी बाधाऐं हैं। पर्वतीय क्षेत्र में संचार सेवा का प्रयोग स्तर बहुत कम है इसका मूल कारण ग्रामीणों को नवीन खोजों एवं संचार के साधनों के विषय में अल्प ज्ञान होना है। रेडियो एक पारम्परिक मीडिया है जिसके द्वारा पर्वतीय क्षेत्र में कृषि प्रचार व प्रसार का कार्य सरल हो जाता है। इसी परीपेक्ष में आकाशवाणी अल्मोड़ा द्वारा प्रसारित एवं विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान द्वारा संचालित **कृषि समृद्धि कार्यक्रम** का उद्देश्य पर्वतीय कृषकों को कृषि सम्बन्धित समस्याओं पर सुझाव व निदान एवं नवीन कृषि तकनीकों की जानकारी देना है।

इस सेवा का उद्देश्य

1. कृषकों की कृषि सम्बन्धित समस्याओं पर सुझाव व निदान।
2. नवीन कृषि तकनीकों का प्रचार एवं प्रसार।
3. राज्य कृषि प्रसार प्रणाली को उत्प्रेरित करना।
4. कृषि योजनाओं की जानकारी प्रदान करना।

किसान इस सेवा का लाभ कैसे उठाऐं?

संचार तकनीकों में रेडियो के महत्व को देखते हुए आकाशवाणी अल्मोड़ा द्वारा प्रसारित एवं विवेकानन्द संस्थान द्वारा संचालित **कृषि समृद्धि कार्यक्रम** जुलाई 2009 को 999 किलोहट्ज की मध्यम लहर आवृत्ति (Medium Wave Frequency) पर आरम्भ किया गया। इस सेवा द्वारा किसानों को सरल एवं सरस भाषा में कृषि एवं सम्बन्धित समस्याओं का समाधान उपलब्ध कराकर एवं कृषक समुदाय को वैज्ञानिक खेती करने पर जोर दिया जाता है। **कृषि समृद्धि कार्यक्रम** द्वारा किसानों को संरक्षित खेती, पौंध रोपण, सब्जियों की खेती, विभिन्न फसलों के कीट, रोग व बिमारियों के लक्षण एवं उपचार पद्धिति, पौलीहाउस निर्माण तकनीक, टपक सिंचाई प्रणाली, फसल सम्बन्धित नवीन किस्मों व बीज उपलब्धता की जानकारी, मानव संसाधन विकास, फसलोत्तर तकनीक, नवीनतम तकनीकी जानकारी, कृषि निवेश हेतु बैंकों की भूमिका, स्वयं सहायता समूह, स्वास्थ्य और पोषण सम्बन्धित जानकारी एवं महिला सशक्तिकरण आदि के विषय में बताया जाता है।

कृपया ध्यान दें

कृषि समृद्धि कार्यक्रम का प्रसारण प्रत्येक रविवार सायं 6:00 से 6:15 बजे तक होता है।

निम्नलिखित प्रमुख विषयों में जानकारी उपलब्ध करायी जाती है

1. अधिक उपज प्रदान करने वाली धान, गेहूँ, मक्का, सॉवा/मादिरा, मडुवा, उगल, चुवा, दलहनी मटर, गहत (कुल्थी), मसूर, सोयाबीन, राजमा, सब्जी फसलें जैसे – सब्जी मटर, फ्रासबीन, भिण्डी, टमाटर, प्याज आदि।
2. अधिक उत्पादन के लिए सिंचित व असिंचित क्षेत्रों में खेती की तैयारी, बुवाई का समय व विधि, बीजोपचार, संतुलित खाद व उर्वरक, बुवाई व रोपाई विधि, निराई – गुड़ाई, सिंचाई, खरपतवारों का नियंत्रण, कटाई, मड़ाई व बीज संरक्षण की जानकारी।
3. कम लागत की जल संग्रहण की प्रौद्योगिकी, जैसे स्थानीय सामग्री का उपयोग कर निम्न घनत्व वाली पौली इथीलीन (एल. डी. पी. ई.) फिल्म की पर्त वाले जल भंडारण टैंक (पौलीटैंक) के निर्माण के विषय में जानकारी।
4. अधिक उत्पादकता के लिए उन्नत फसल प्रणालियों के बारे में जानकारी।
5. विभिन्न फसलों के कीट, रोग व बिमारियों के लक्षण एवं उपचार पद्धिति की जानकारी।
6. संरक्षित खेती प्रौद्योगिकी एवं अधिक मूल्य वाली बेमौसमी सब्जियों की पौलीहाउस में उत्पादन तकनीक।
7. मिट्टी के नमूने एवं परीक्षण, मृदा कटाव को रोकना, जलागम विकास, मशरुम, मधुमक्खी पालन आदि विषयों पर जानकारी।
8. कृषकों हेतु महत्वपूर्ण व्यवहारिक सूचनाऐं, जैसे – कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम, प्रदर्शन, कृषक भागीदारी, किसान मेला, प्रक्षेत्र दिवस, कृषि साहित्य व कृषि में सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग।
9. चारा उत्पादन एवं परती जमीन का उपयोग।
10. कृषि कार्यों को सफल बनाने हेतु विकसित यंत्रों के विषय में जानकारी।

कृषि समृद्धि कार्यक्रमों का विश्लेषण

प्रथम बार भाकृअनुप–विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान द्वारा संचालित **कृषि समृद्धि कार्यक्रम** जुलाई, 2009 को आकाशवाणी अल्मोड़ा द्वारा प्रसारित किया गया। कृषकों को प्रदान की गयी सूचना के आधार पर वर्ष 2009 से जून 2013 तक संस्थान द्वारा संचालित **कृषि समृद्धि कार्यक्रम** पर प्रसारित कार्यक्रमों को संकलित किया गया, मई 2015 तक लगभग 260 कृषि सम्बन्धित विषयों पर जानकारी प्रदान की गयी जिनमें से अधिकतर जानकारी फसल प्रजाति, फसल चक्र, फसल सुरक्षा एवं प्रबन्धन, फसल उत्पादन तकनीक, जल संरक्षण, संरक्षित खेती, चारा उत्पादन व प्रबन्धन आदि पर प्रदान की गयी। इसके अतिरिक्त मशरुम उत्पादन, किसान मेला व प्रक्षेत्र दिवस, कृषि में महिलाओं का योगदान, फसल प्रसंस्करण एवं खाद्य परिरक्षण, कृषि में